माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश

नवीन ब्लूप्रिन्ट आधारित
आदर्श प्रश्न पत्र एवं आदर्श उत्तर

कक्षा 10वीं

सामाजिक विज्ञान
2008-2009

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल
(द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित)

प्रश्न–पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :– X　　　　परीक्षा : हाईस्कूल　　　　पूर्णांकः– 100

विषय :– सामाजिक विज्ञान　　　　समय : 3 घण्टे

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न खण्ड (अ)	अंकवार प्रश्नों की संख्या खण्ड (ब)			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	6 अंक	
1.	भारत में संसाधन	10	4	–	–	1	1
2.	उद्योग	05	1	1	–	–	1
3.	परिवहन, संचार, विदेशी व्यापार	05	1	1	–	–	1
4.	मानचित्र पठन एवं अंकन	05	–	–	1	–	1
5.	आपदा प्रबंधन	05	1	1	–	–	1
6.	प्रथम स्वतंत्रता संग्राम एवं उसके पश्चात्	10	1	1	1	–	2
7.	स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित घटनाएँ	10	5	–	1	–	1
8.	स्वातंत्रोत्तर भारत की प्रमुख घटनाएँ	10	–	1	–	1	2
9.	भारतीय संविधान	06	1	–	1	–	1
10.	भारतीय प्रजातंत्र की कार्यप्रणाली	07	3	1	–	–	1
11.	प्रजातं त्रके समक्ष प्रमुख चुनौतियां	07	2	–	1	–	1
12.	आर्थिक विकास की कहानी	05	1	1	–	–	1
13.	सेवाक्षेत्र	05	5	–	–	–	–
14.	उपभोक्ता जागरूकता	05	–	–	1	–	1
15.	आर्थिक प्रणाली और वैश्वीकरण	05	–	–	1	–	1
	योग =	**100**	**25 (5)**	**07**	**07**	**02**	**16+5=21**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न में 1 X 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

विशेष –

इकाई 4 मानचित्र पठन एवं अंकन अध्याय में मानचित्र अंकन हेतु पर्याप्त, विषयवस्तु उपलब्ध नहीं होने के कारण पूर्व की इकाईयों से मानचित्र के अंकन हेतु विषवस्तु लिया जाना उचित है। अथवा के लिये इकाई 4 से ही मौसम संकेत के चिन्ह जैसी विषयवस्तु ली जाना उचित है।

आदर्श प्रश्न पत्र

कक्षा 10वीं

विषय – सामाजिक विज्ञान

समय 3 : घण्टे पूर्णांक : 100

निर्देश :–

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2). प्रश्न पत्र में दो खण्ड दिये गये है खण्ड अ और खण्ड ब ।

(3) खण्ड 'अ' में दिये गये प्रश्न 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ एवं अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। कुल अंक 5 X 5 = 25

(4) खण्ड 'ब' में प्रश्न क्रमांक 6 से 21 में आन्तरिक विकल्प दिये गये है।

(5) प्रश्न क्रमांक 14 का उत्तर दिये गये निर्देशानुसार भारत के रेखाचित्र पर दशाईये।

(6) प्रत्येक क्रमांक के लिये आवंटित अंक उसके सम्मुख अंकित है।

प्र01. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये। 05

(1) बाजरा की फसल .... मिट्टी में अच्छी पैदा होती है।

(2) घाना पक्षी विहार .... में स्थित है।

(3) ग्रीष्म ऋतु में पैदा की जाने वाली सब्जियां .... फसल कहलाती है।

(4) सर्वोत्तम किस्म का कोयला .... नाम से जाना जाता है।

(5) उत्तर भारत का मानचेस्टर .... को कहा जाता है।

प्र02. एक वाक्य/शब्द में उत्तर लिखिये – 05

(अ) ग्राण्ड ट्रेक रोड का निर्माण किस मुगल सम्राट ने करवाया था ?

(ब) भूपटल पर हलचल व कम्पन पैदा होने को क्या कहते हैं ?

(स) बैरकपुर छावनी में 1857 में किस सैनिक ने चर्बी वाले कारतूस को भरने से माना किया था?

(द) संविधान में मूल कर्त्तव्य प्रावधान कब जोड़ा गया ?

(ई) भारतीय योजना आयोग ने जनवरी 2003 में कौनसा महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किया है।

प्र03. सही जोड़ियां बनाइये :— **05**

(1)	रोलॅट एक्ट	—	गांधी इरविन समझौता
(2)	असहयोग आंदोलन स्थगन	—	भारत विभाजन
(3)	दाण्डी यात्रा	—	जलियावाला बाग हत्याकाण्ड
(4)	गोलमेज सम्मेलन	—	नमक कानून
(5)	माउन्टबेटन योजना	—	चौरी—चौरा घटना

प्र04. सत्य / असत्य बताइये — **05**

(1) वस्तुओं के स्थान पर सेवाओं का सृजन होना सेवाक्षेत्र कहलाता है।( )

(2) बैंक एवं वित्तीय संस्थाएं साख का सृजन करती हैं। ( )

(3) राष्ट्रीय आय का पूरा भाग सेवा क्षेत्र से प्राप्त होता है। ( )

(4) भारत में रेल्वे का शुभारंभ सन् 1900 में हुआ था। ( )

(5) विश्व में सबसे बड़ी संचार व्यवस्था चीन में हैं। ( )

प्र05. सही विकल्प चुनकर लिखिये — **05**

(अ) राष्ट्रीय महत्व के कुल कितने विषय संघीय सूची में हैं —

(i) 40 (ii) 62

(iii) 47 (iv) 97

(ब) राज्यसभा के सदस्यों को नामजद करने का अधिकार किसे है —

(i) राष्ट्रपति को, (ii) प्रधानमंत्री को

(iii) राज्यपाल को (iv) सर्वोच्च न्यायालय को

(स) नगर निगम में प्रशासनिक अधिकारी को क्या कहते हैं —

(i) पार्षद (ii) मुख्य पालिका अधिकारी

(iii) सरपंच (iv) आयुक्त

(द) कृषि का सहायक उद्योग है —

(i) दुग्ध व्यवसाय (ii) सिलाई उद्योग,

(iii) जूट उद्योग (iv) मोमबत्ती बनाना।

(इ) नशामुक्ति के लिये मद्यनिषेध अभियान किसने चलाया था —

(i) जवाहरलाल नेहरू (ii) महात्मा गांधी

(iii) राजा राममोहन राय (iv) लाल बहादुर शास्त्री

खण्ड 'ब'

प्र06. ध्वनि – प्रदूषण नियंत्रण के कोई चार उपाय लिखिये। 04

अथवा

लोहा इस्तात उद्योग आधार भूत उद्योग क्यों कहलाते हैं ?

प्र07. बन्दरगाह व पत्तन में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिये। 04

अथवा

तार या फैक्स में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिये।

प्र08. सुनामी से क्या आशय है ? 04

अथवा

आपदा प्रबंधन से आप क्या समझते हैं ? विचार व्यक्त कीजिये ?

प्र09. प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के सामाजिक व धार्मिक कारण क्या थे ? 04

अथवा

बेगम हजरत महल का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में क्या योगदान था ?

प्र010. संयुक्त राष्ट्रसंघ ने कश्मीर समस्या पर क्या रिपोर्ट दी थी ? लिखिये। 04

अथवा

भारत चीन युद्ध के निकटवर्ती व दूरगामी कौन से परिणाम सामने आये ? स्पष्ट कीजिये।

प्र011. मंत्रिपरिषद की कोई चार विशेषताएं लिखिये। 04

अथवा

उच्च न्यायालय के प्रारंभिक क्षेत्राधिकार शक्ति से आप क्या समझते हैं ?

प्र012. भारत में आर्थिक नियोजन किन कारणों से असफल हुआ है? कोई चार कारण लिखिये। 04

अथवा

स्व सहायता समूह के गठन के उद्देश्य लिखिये।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्र013. भारत के मानचित्र में निम्न को दशाईये – 05

कार्बेट बाघ परियोजना स्थल, एक लोहा उत्पादक क्षेत्र, महाराष्ट्र में एक मैगनीज उत्पादक क्षेत्र, स्वर्णिम चर्तुभुज, कोलकाता बन्दरगाह।

अथवा

निम्न मोसमी संकेत दशाईये – (1) धुन्ध, कोहरा, वर्षा, ओला, हिम।

प्र014. 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के असफलता के कारण बताइये ? 05

अथवा

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का भारतीय इतिहास में क्या महत्व है ? लिखिये।

प्र015. कांग्रेस का विभाजन भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन की दृष्टि से विनाशकारी सिद्ध हुआ? स्पष्ट कीजिये। 05

अथवा

भारत छोड़ो आंदोलन का अर्थ बताइये एवं इसका भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास में महत्व को स्पष्ट कीजिये।

प्र016. भारतीय संविधान में कठोर एवं लचीलेपन का सम्मिश्रण है? कथन को स्पष्ट कीजियें। 05

अथवा

भारतीय संविधान भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय अस्मिता को समेटे हुये है? कथन को स्पष्ट कीजिये।

प्र017. क्या आप समझते हैं कि गरीबी और बेरोजगारी की बढ़ती संख्या प्रजातंत्र की सफलता में बाधक है ? अपना मत दीजिये। 05

अथवा

साम्प्रदायिकता को कौन–कौन से प्रयासों से दूर किया जा सकता है ? कोई पांच बिन्दुओं से स्पष्ट कीजिये।

प्र018. उपभोक्ता जागरूकता की आवश्यकता क्यों हैं ? मंत व्यक्त कीजिये। 05

अथवा

उपभोक्ता शोषण का शिकार किन कारणों से होता है। कोई पांच कारण लिखिये।

प्र019. प्रो. ए.जे. ब्राउन की आर्थिक प्रणाली की परिभाषा दीजिये। पूंजीवाद आर्थिक प्रणाली की कोई पांच विशेषताएं लिखिये। 05

अथवा

समाजवादी आर्थिक प्रणाली के प्रमुख दोषों की व्याख्या कीजिये।

प्र020. वनो से होने वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ कौन–कौन से हैं? वर्णन कीजिये। 06

अथवा

वन्य प्राणी संरक्षण क्यों आवश्यक है ? वन्य प्राणी संरक्षण के उपाय बताइये।

प्र021. ताशकन्द – समझौते की महत्वपूर्ण शर्ते कौन–कौनसी थी ? स्पष्ट कीजिये। 06

अथवा

1965 के भारत पाक युद्ध के क्या परिणाम सामने आये ? विस्तार पूर्वक लिखिये।

आदर्श उत्तर

विषय – सामाजिक विज्ञान

कक्षा 10वीं

समय 3 : घण्टे पूर्णांक : 100

उ01. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये। **05**

(1) लाल मिट्टी, (2) भरतपुर, (3) जायद

(4) एन्थ्रेसाइट, (5) कानुपर

उ02. एक वाक्य/शब्द में उत्तर लिखिये – **05**

(अ) शेरशाह सूरी, (ब) भूकम्प (स) मंगलपाण्डे

(द) सन् 1976 में 42 वे संशोधन के द्वारा (ई) इंडिया विजन – 2020

उ03. सही जोड़ियां बनाइये :– **05**

(1) रोलॅट एक्ट – जलियावाला बाग हत्याकाण्ड

(2) असहयोग आंदोलन स्थगन – चौरी–चौरा घटना

(3) दाण्डी यात्रा – नमक कानून

(4) गोलमेज सम्मेलन – गांधी इरविन समझौता

(5) माउन्टबेटन योजना – भारत विभाजन

उ04. सत्य / असत्य बताइये – **05**

(1) सत्य (2) सत्य (3) असत्य

(4) असत्य (5) असत्य

उ05. सही विकल्प चुनकर लिखिये – **05**

(अ) 97 (ब) राष्ट्रपति को, (स) आयुक्त

(द) दुग्ध व्यवसाय, (इ) महात्मा गांधी

खण्ड 'ब'

उ06. ध्वनि – प्रदूषण नियंत्रण के उपाय –

(1) कल कारखानों को शहर से दूर स्थापित करना चाहिये।

(2) कारखानों में ध्वनि रोधक यन्त्र लगाए जाने चाहिये।

(3) उद्योगों में मशीनों का रख रखाव सही करके मशीनों का शोर कम किया जा सकता है।

(4) अधिक शोर उत्पन्न करने वाले कारखानों में श्रमिक को कर्ण बन्दकों का प्रयोग अनिवार्य कर देना चाहिये।

अथवा

लोहा इस्तात आज के उद्योग जगत में भौतिक सभ्यता की रीढ़ है। मानव उपयोग की छोटी से छोटी वस्तु जैसे सुई, कील, पिन आदि से लेकर बड़ी से बड़ी वस्तुएं मोटर, कल कारखानों की मशीनें, रेल आदि का निर्माण बिना लोहा इस्तात के संभव नहीं है।

उ07. जलयानों व जहाजों के तट पर आने–जाने ठहरने विश्राम करने के स्थान को बन्दरगाह कहते है। पत्तन अथवा गोटी (डॉक) समुद्र तट का वह अन्तः स्थल है जहां जहाजों में माल लादने एवं उतारने का कार्य होता है। बन्दरगाह जल ब थल के मिलन स्थल होते है। भारत के प्रमुख बन्दरगाह मुम्बई कोलकत्ता कांडला कोच्चि आदि हैं।

अथवा

तार से शीघ्र संदेश भेजे जाते है। इसके लिये खम्भों पर टेलीग्राफ के तार स्थाई रूप से बांधा जाना जरूरी था। इन तारों द्वारा बिजली के माध्यम से संदेश एक स्थान से दूसरे स्थान कोडेंसी मशीन द्वारा भेजे जाते है।

फैक्स एक प्रकार से लिखित संदेश प्राप्त करने या भेजने का साधन है इसके लिये एक मशीन की आवश्यकता होती है जिसे फैक्स मशीन कहते है। इस मशीन को टेलीफोन नम्बर से जोड़ देते हैं एवं संदेश लगा देते है। यह मशीन उस संदेश को कागज पर छाप देती है साथ ही भेजने वाले का टेलीफोन नम्बर पता समय लिख देती है।

उ08. भूकम्प और ज्वालामुखी से महासागरीय धरातल में अचानक हलचल पैदा होती है और महासागरीय जल का अचानक विस्थापन होता है। परिणामस्वरूप समुद्री जल में उर्ध्वाधर ऊंची तरंगे पैदा होती है। इन्हें सुनामी या भूकम्पीय लहरें कहा जाता है।

अथवा

आपदा प्रबंधन क्रियाकलापों की एक ऐसी श्रृखंला है जो आपदा से पहले और उसके बाद ही नहीं बल्कि एक दूसरे के समानान्तर भी चलती है रहती है यह व्यवस्था विस्तार और संकुचन मॉडल से भी अधिक है। इस व्यवस्था मे यह मानकर चला जाता है कि आपदा संभावित समुदाय के भीतर आपदा की रोकथाम, उसके दुष्प्रभाव को कम करने, जवाबी कार्यवाही और सामान्य जीवन स्तर पर लौटने के लिये पर्याप्त उपाय होते है।

उ09. सामाजिक और धार्मिक कारण – कम्पनी शासन की सामाजिक एवं धार्मिक नीति के कारण भारतीय जनमानस में असन्तोष व्याप्त हुआ जनता में यह भय उत्पन्न हुआ कि ब्रिटिश शासन उनके धर्म तथा रीतिरिवाजों को नष्ट करने पर तुला हुआ है। कम्पनी सरकार ने सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के अनेक कदम उठाये तथा कानूनों को लागू किया। ब्रिटीश सरकार द्वारा ईसाई धर्म का प्रचार धर्म परिवर्तन हेतु सुविधाओं का प्रलोभन देना, शिक्षण संस्थाओं में ईसाई धर्म की शिक्षा दिया जाना आदि अनेक कारणों से भारतीय में असंतोष था।

अथवा

बेगम हजरत महल अवध के नवाब की विधवा थी। संग्राम शुरू होने पर 4 जून 1857 को अवध की बेगम ने संग्राम को प्रोत्साहन दिया बेगम हरजत महल ने शाहजहांपुर में भी संग्राम का नेतृत्व किया उसने अपने युवा पुत्र बिराजिस कादर को अवध का नवाब घोषित कर दिया तथा लखनऊ स्थित ब्रिटीश रेजीडेन्सी पर आक्रमण किया। संग्राम में परास्त होने के पश्चात बेगम सुरक्षा की दृष्टि से नेपाल चली गयी।

उ010. कश्मीर समस्या भारत और पाकिस्तान के मध्य सबसे अधिक उलझी हुई समस्या है। कश्मीर भारत की उत्तर पश्चिम सीमा पर स्थित होने के कारण भारत और पाकिस्तान दोनों को जोड़ता है। संयुक्त राष्ट्रसंघ की सुरक्षा परिषद के दल ने कश्मीर समस्या के समाधान के लिये मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया और उसे सुलझने के लिये निम्न रिपोर्ट पेश की –

(1) पाकिस्तान अपनी सेनाएं कश्मीर से हटाए तथा कबाइली एवं अन्य जो कश्मीर के निवासी नहीं है वहां से हटाने का प्रयास करें।

(2) जब पाकिस्तान अपनी सेनाएं वहां से हटा लेगा तो भारत भी अधिकांश सेना का भाग वहां से हटा ले।

(3) अंतिम समझौता होने तक युद्ध विराम की स्थिति रहेगी और भारत कश्मीर में स्थानीय अधिकारियों के सहयोग के लिये उतनी ही सेनाएं रखेगा जितनी कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिये आवश्यक होगा।

अथवा

भारत चीन युद्ध के निम्नलिखित निकटवर्ती व दूरगामी परिणाम सामने आये –

(1) भारत – चीन संबंध तनावपूर्ण हो गये।

(2) भारत के भू–भाग का एक बड़ा भाग चीन के कब्जे में चला गया।

(3) भारत की अन्तर्राष्ट्रीय छवि एवं गुटनिरपेक्ष नीति आहत हुई।

(4) भारत अमेरिका के संबंधों में सुधार हुआ।

(5) भारतीय विदेश नीति में आदर्शवाद के स्थान पर व्यावहारिकता और यर्थाथवाद को स्थान मिला।

उ011. मंत्रिपरिषद की चार विशेषताएं –

(1) सामूहिक उत्तरदायित्व, (2) शासन की नीतियां निर्धारित करना।

(3) विधायी शक्तियां, (4) वित्तीय शक्तियां।

(व्याख्या करने पर पूरे अंक दिये जाये।)

अथवा

उच्च न्यायालय का प्रारंभिक क्षेत्राधिकार –

प्रारंभिक क्षेत्राधिकार से आशय जो प्रकरण केवल उच्च न्यायालय में ही प्रस्तुत किये जा सकते है।

(अ) संविधान से संबंधित विवाद।

(ब) अपने किसी फैसले के विरूद्ध उच्चतम न्यायालय में अपील किये जाने की अनुमति उच्च न्यायालय द्वारा दी जाती है।

(स) उसके अधीनस्थ किसी न्यायालय में यदि कोई ऐसा प्रकरण है जिसमें संविधान की व्याख्या से संबंधित कोई बिन्दु है। ऐसे प्रकरण को उच्च न्यायालय अपने यहा मंगाकर उसका निर्णय करता है।

उ012. भारत में आर्थिक नियोजन असफलता के चार कारण –

(1) प्रतिव्यक्ति आय में धीमी प्रगति, (2) क्षेत्रीय असंतुलन।

(3) मूल्य वृद्धि। (4) बेरोजगारी में वृद्धि

(व्याख्या करने पर पूरे अंक दिये जाये।)

अथवा

स्व सहायता समूह के गठन के उद्देश्य –

(1) सामूहिक रूप से संगठित होकर कार्य करने की भावना विकसित करना।

(2) सदस्यों में बेहतर भविष्य के लिये बचत करने की आदत विकसित करना।

(3) सदस्यों को ऋण प्रदान करके स्वरोजगार के अवसरों का सृजन करना।

(4) सरकार द्वारा बैंक तथा अन्य स्वयसेवी संस्थाओं की सहायता से कल्याणकारी गतिविधियों का संचालन करना।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उ013. भारत का मानचित्र –

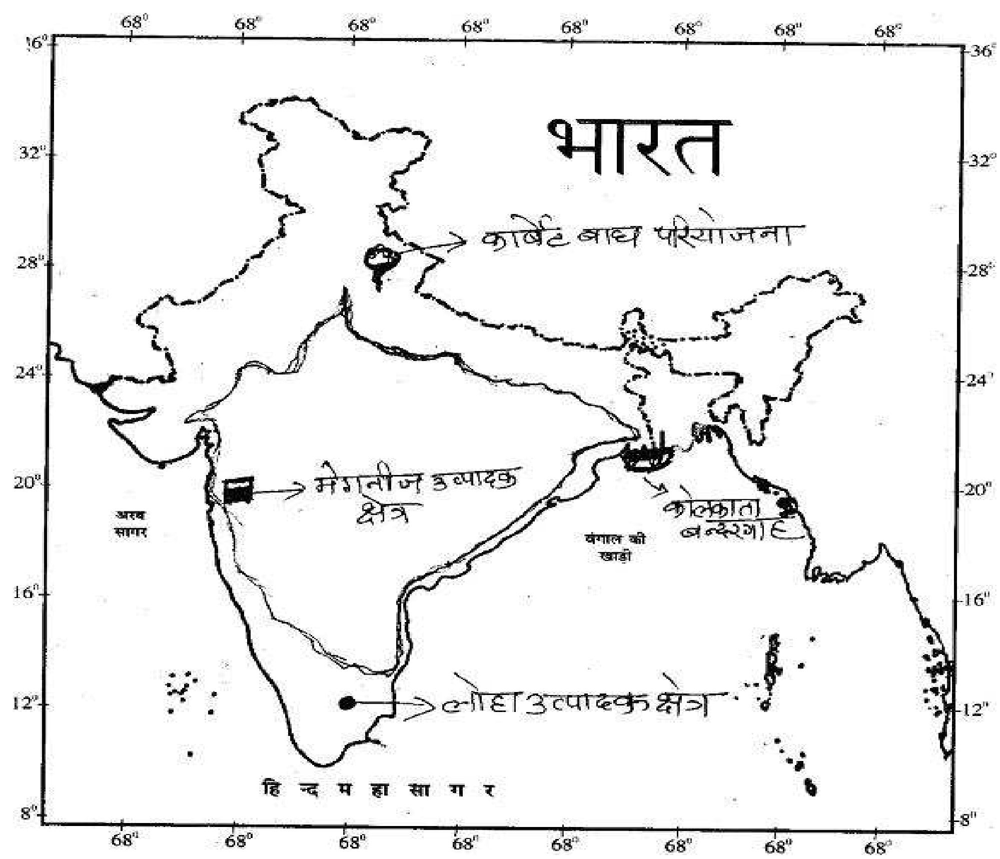

अथवा

मोसमी संकेत –

(1) ∞ धुन्ध, (2) ☰ कोहरा,

(3) ● वर्षा, (4) △ ओला, (4) ✳ हिम।

उ014. स्वतंत्रता संग्राम की असफलता के कारण –

(1) संगठन और एकता का अभा, (2) नेतृत्व का अभाव।

(3) परम्परावादी हथियार, (4) सामन्तवादी स्वरूप।

(5) सम्पर्क भाषा का अभाव, (6) स्थानीयता।

(7) समय से पूर्व और सूचना प्रसार में असफल क्रांति।

(कोई पांच कारण व व्याख्या करने पर पूरे अंक दिये जाये।)

अथवा

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का भारतीय इतिहास में बहुत महत्व है इस संग्राम ने अंग्रेजी साम्राज्य की जड़ों को हिलाकर रख दिया था। इस संग्राम के कारण ब्रिटिश सरकार को भारतीय समाज, अर्थव्यवस्था और सरकार में महत्वपूर्ण परिवर्तन करना पडे –

(1) ब्रिटिश संसद ने 1858 में अधिनियम पारित किया जिसके अनुसार ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन खत्म हुआ और सीधे इंग्लैड की सरकार ने भारत को अपने आधिपत्य में ले लिया।

(2) 1858 के पश्चात सेना का पुर्नगठन हुआ। महत्वपूर्ण पद अंग्रेज अधिकारियों को दिये गये।

(3) जमीदारो, राजाओं के प्रति ब्रिटीश सरकार ने उदारवादी दृष्टिकोण अपनाया।

(4) ब्रिटिश सरकार ने देशी रियासतों का विलय करने की नीति में परिवर्तन करके उत्तराधिकारियों को गोद लेने के अधिकार को मान्यता प्रदान की।

उ015. कांग्रेस का अधिवेशन 1907 में नागपुर में होना था किन्तु बाद में इसका स्थान बदलकर सूरत कर दिया गया। इस समय तक क्रांग्रेस में उग्र राष्ट्रीवादी विचारों

और आन्दोलनों में तीव्रता आ चुकी थी। उग्र राष्ट्रवादी सूरत अधिवेशन के लिये लाला लाजपतराय को अध्यक्ष बनाना चाहते थे किन्तु उदारवादियों ने रास बिहारी बोस को अध्यक्ष बना दिया यहीं से उग्र राष्ट्रवादियों का विरोध शुरू हो गया। सूरत अधिवेशन ने कांग्रेस के उदारवादी और उग्र राष्ट्रीय नेताओं को सोचने पर विवश नहीं किया, किन्तु दोनों पक्षों के कुछ नेता मतभेदो को समाप्त करने पर एकमत नहीं हुये जिसके कारण अंततः कांग्रेस में विभाजन हो गया जिसे सूरत की फूट कहा जाता है। कांग्रेस का यह विभाजन राष्ट्रीय आंदोलन की दृष्टि से विनाशकारी सिद्ध हुआ। ब्रिटीश सरकार ने इसे अपनी जीत के रूप में लिया।

अथवा

1942 के वर्ष में देश के राजनीतिक मंच पर एक ऐसा ऐतिहासिक आंदोलन आरंभ हुआ। जिसे भारत छोड़ो आंदोलन के नाम से जाना जाता है। 8 अगस्त की रात्रि में भारत छोड़ो प्रस्ताव मुम्बई में बहुमत से पारित हुआ। गांधीजी ने कहा—पूर्ण स्वाधीनता से न्यून किसी भी बात से में सन्तुष्ट होने वाला नहीं हूँ। हम करेगे या मरेंगे।

भारत छोड़ो आंदोलन का महत्व –

(1) इस आंदोलन का महत्व यह रहा कि इसने भारत की स्वतंत्रता को राष्ट्रीय आंदोलन की तात्कालिक मांग बना दिया।

(2) आंदोलन कांग्रेस का प्रवर्तित आंदोलन था। यद्यपि अन्य राजनीतिक दलों ने इसमें भाग नहीं लिया परन्तु व्यक्तिगत स्तर पर अनेक लोग स्वतः इस आंदोलन में सम्मिलित हुये।

(3) भारत छोड़ो आंदोलन स्वाधीनता का घोषित लक्ष्य प्राप्त करने में असफल रहा परन्तु आंदोलन से ब्रिटीश सरकार को यह विश्वास हो गया की भारत की स्वाधीनता की मांग को लम्बे समय तक उपेक्षा नहीं की जा सकती।

(4) इस आंदोलन के कारण विश्व जनमत इंग्लेड के विरूद्ध जाग्रत हुआ।

उ016. भारतीय संविधान में कठोर एवं लचीलेपन का सम्मिश्रण – संविधान में संशोधन की प्रक्रिया के आधार पर संविधान का वर्गीकरण कठोर अथवा लचीला के रूप में किया जाता है। भारतीय संवधिान में संशोधन की तीन प्रक्रियाओं का उल्लेख है जिसके अनुसार संविधान के कुछ प्रावधान संसद के साधारण बहुमत से कुछ प्रावधानों में

विशिष्ट बहुमत से तथा महत्वपूर्ण शेष प्रावधानों में संसद के विशिष्ट बहुमत के साथ–साथ आधे राज्यों के अनुसमर्थन से बदले जा सकते है। इस दृष्टि से भारत का संविधान लचीला व कठोर है।

अथवा

भारतीय संविधान केवल एक राजनीतिक प्रलेख ही नहीं हैं अपितु बहुत अधिक है। भारत का संविधान भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय अस्मिता को अपने अंदर समेटे हुये है। संविधान की मूल हस्तलिपि प्रति में भारत की पांच हजार वर्ष से अधिक की सुदीर्घ एवं अनवरत रूप से प्रवाहित सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विरासत को चित्रों द्वारा चित्रित किया गया है। इन चित्रों में मोहजोदड़ो काल की बैलयुक्त मुहर, लंका पर विजय के बाद सीता के साथ पुष्पक विमान में वापस आते हुये श्रीराम, श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को उपदेश, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, अकबर तथा पृष्ठभूमि में मुगल वास्तुकला, शिवाजी गुरू गोविन्द सिंह, टीप सुल्तान महात्मा गांधी की ऐतिहासिक दांडी यात्रा, हिमालय, हिन्द महासागर प्रमुख है।

उ017. देश की आबादी का करीबन 26 प्रतिशत भाग गरीबी रेखा के नीचे जीवन निर्वाह कर रहा है। देश में शिक्षित और अशिक्षित करोड़ो नागरिकों को नियमित रोजगार का कोई साधन नहीं है। नागरिकों के उसी बड़े वर्ग के कारण लोकतंत्र के संचालन में कठिनाई है। गरीबी और बेरोजगारी से प्रभावित नागरिक रूढ़िवादी अधिक रहता है। और आधुनिक विचार और पद्धति के प्रति उसमें रूझान नहीं होता। गरीब और बेरोजगार व्यक्ति राष्ट्र के विकास एवं प्रगति में योगदान के बजाय अपने पेट भरने की युगत में ज्यादा लगा रहा है।

अथवा

साम्प्रदायिकता को दूर करने के उपाय –

(1) सर्वधर्म प्रार्थना संभाएं आयोजित करना चाहिये।

(2) शिक्षा में प्रारंभ से ही नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को जोड़ना चाहिये।

(3) शिक्षा का विकास अधिक से अधिक करना चाहिये।

(4) चुनाव के समय धर्म के आधार पर उम्मीदवार का चुनाव नहीं करना चाहिये।

(5) सरकार को कोई भी ऐसा कार्य नहीं करना चाहिये जो कि साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देता है।

उ018. उपभोक्ता जागरूकता की आवश्यकता –

अनेक बार देखा गया है कि उपभोक्ता को बाजार में सही वस्तुए एवं सेवाएं प्राप्त नहीं होती है फलतः यह आवश्यक है कि उसे जागरूक किया जाये उपभोक्ता को जागरूक बनाने की आवश्यकता निम्नलिखित बातों से स्पष्ट हो जाती है।

(1) अधिकतम संतोष प्राप्त करना, (2) उत्पादकों के शोषण से बचाव।

(3) हानिकारक वस्तुओं के उपयोग पर रोक।

(4) बचत की प्रेरणा।

(5) समस्याओं के सामधान की जानकारी।

(6) स्वस्थ समाज का निर्माण।

अथवा

उपभोक्ता शोषण का शिकार प्रमुख कारणों से होता है –

(1) अज्ञानता, (2) सीमित जानकारी।

(3) एकाधिकार, (4) बाजार के प्रति उपभोक्ताओं की उदासीनता।

(5) टेली मार्केटिंग, (6) अशिक्षा एवं संतोष की भावना।

उ019. प्रो. ए. जे . ब्राउन – ''आर्थिक प्रणाली एक माध्यम है जिसके द्वारा लोग अपनी जीविका का उपार्जन करते है।''

पूंजीगत आर्थिक प्रणाली की विशेषताएं –

(1) उत्पत्ति के साधनों पर निजी स्वामित्व।

(2) आर्थिक स्वतंत्रता।

(3) लाभ की भावना।

(4) शोषण पर आधारित।

(5) मूल्य यंत्र (Price Mechanism)

अथवा

समाजवादी आर्थिक प्रणाली के प्रमुख दोष –

(1) उपभोक्ता की संप्रभुता का अंत।

(2) सत्ता का केन्द्रीयकरण।

(3) उत्पादन कार्य में प्रेरणा का अभाव।

(4) व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभाव।

(5) उत्पत्ति के साधनों का अविवेकपूर्ण उपयोग

(व्याख्या करने पर पूरे अंक दिये जाये।)

उ020. वनो से होने वाले प्रत्यक्ष लाभ –

(1) लकड़ी की प्राप्ति, (2) सहायक उपजो की प्राप्ति।

(3) आधार भूत उद्योगों के लिये सामग्री, (4) जानवरों के लिये चारागाह।

(5) रोजगार प्राप्ति, (6) विदेशी मुद्रा की प्राप्ति।

(7) लघु उद्योगों में सहायक।

वनो से होने वाले अप्रत्यक्ष लाभ –

(1) मिट्टी के कटाव में कमी, (2) जलवायु को सम बनाये रखना।

(3) बाढ़ नियंत्रण में सहायक, (4) रेगिस्तान के प्रसार पर रोक

(5) वर्षा में सहायक, (6) जलस्तर में वृद्धि।

(बिन्दुओं की व्याख्या करने पर पूरे अंक दिये जाये।)

अथवा

वन्य प्राणी संरक्षण आवश्यकता –

वनों के साथ–साथ वन्य जीव भी मानव के लिये महत्वपूर्ण संसाधन है वन्य जीवों से मांस, खाल, हाथी दांत आदि प्राप्त होते है। इससे वन्य जीवों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है आने वाले कुछ ही वर्षों में वन्य प्राणियों की कुछ प्रजातियों पूर्णतः लुप्त हो जाने का भय है। इन्हें पर्यावरण संतुलन के लिये बचाना आवश्यक है।

वन्यप्राणी संरक्षण के उपाय –

(1) वन्य जीवों के प्राकृतिक आवासों को बिना नुकसान पहुंचाये नियंत्रित करना।

(2) वन्य जीवों के शिकार पर पूर्णतः प्रतिबन्ध लगाना।

(3) वन्य क्षेत्रों में जैव मण्डल रिर्जव की स्थापना।

(4) राष्ट्रीय पार्क, अभ्यारण्य की स्थापना करना।

(5) वन्य जीवन प्रबंधन की योजनाओं को ईमानदारी से लागू करना।

उ021. 1965 के युद्ध में भारत को पाकिस्तान पर विजय प्राप्त हुई। युद्ध विराम के बाबजूद युद्ध क्षेत्रों में झड़पे बन्द नहीं हुई थी। इस स्थिति को समाप्त करने के लिये

सोवियत संघ ने विशेष रूचि दिखाई। सोवियत संघ ने दोनों पक्षों को वार्ता के लिये ताशकन्द आमंत्रित किया। 4 जनवरी 1966 को पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूबखां तथा भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के मध्य ताशकन्द में वार्ता आरम्भ हुई। अतंतः 19 जनवरी 1966 को ऐतिहासिक ताशकन्द समझौते पर दोनों पक्षों ने हस्ताक्षर किये। इस समझौते की मुख्य शर्तें निम्नलिखित थी –

(1) दोनों पक्षों ने अच्छे पड़ोसियों जैसे संबंध निर्माण करने की सहमति व्यक्त की।

(2) दोनों पक्षों ने अपनी सेवाओं को वापस बुलाने का निर्णय किया।

(3) दोनों पक्ष युद्ध विराम रेखा पर युद्ध विराम की शर्तों का पालन करेंगे।

(4) दोनों पक्षों ने एक दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने, एक दूसरे के विरूद्ध प्रचार को निरूत्साहित करने तथा पुनः राजनयिक संबंधों की स्थापना करने का निर्णय लिया।

अथवा

1965 युद्ध में भारत को पाकिस्तान पर विजय प्राप्त हुई इस युद्ध के निम्नलिखित परिणाम सामने आये –

(1) पाकिस्तान कश्मीर समस्या का समाधान शस्त्र द्वारा करना चाहता था। उसने युद्ध का मार्ग अपनाया परन्तु उसकी इच्छा पूरी नहीं हुई।

(2) पाकिस्तान को विश्वसा था कि कश्मीर की मुस्लिम जनता उसका साथ देगी परन्तु ऐसा नहीं हुआ।

(3) युद्ध में पाकिस्तान को विश्वास था कि चीन उसका साथ देगा परन्तु उसका यह भ्रम टूट गया।

(4) पाकिस्तान के लिये युद्ध घातक सिद्ध हुआ। युद्ध में पराजय ने उसकी सैनिक तानाशाही के खोखलेपन को सिद्ध कर दिया।

(5) भारत पाकिस्तान युद्ध में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका महत्वपूर्ण थी। संयुक्त राष्ट्र संघ, को इसमें सफलता इसलिये मिली क्योंकि सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपूर्व सहयोग दिया था।